चेतना

सोमवार
बिहार
25 अगस्त 2025
Monday
वर्ष : 4
प्रादेशिक संस्करण

शिक्षकों का, शिक्षकों के लिए और शिक्षकों द्वारा प्रकाशित 25-Aug-2025 से 30-Aug-2025

संपादकीय
चेतना सत्र
सोमवार
~~*मंगलवार*~~
बुधवार
गुरुवार
शुक्रवार
शनिवार
संविधान
समय सारणी
दैनिक शैक्षणिक कैलेण्डर (वर्ग I - V)
पीएम पोषण योजना
सुरक्षित शनिवार

भारत के संचार मंत्रालय मंत्री
श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया

बिहार के पथ निर्माण मंत्री
श्री नीतीन नवीन

अगस्त 2025

सो.	म.	बु.	गु.	शु.	श.	र.
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

4 अंतिम श्रावणी सोमवार
9 रक्षाबंधन
15 स्वतंत्रता दिवस
16 श्री कृष्ण जन्माष्टमी
26 हरि तालिका व्रत (तीज व्रत)

चेतना

"टीचर्स ऑफ बिहार" द्वारा प्रकाशित **"चेतना"** साप्ताहिक पत्रिका बिहार के शिक्षकों एवं छात्र/छात्राओं के शैक्षिक बेहतरी के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन है। इसमें सम्मिलित सामग्री शिक्षकों को विद्यालय के दैनिक कार्य में मदद करती है। आइए, हम सब मिलकर इस अनूठे प्रयास का हिस्सा बनकर शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्टता को बढ़ावा दें।

हमारे महान विभूति

1857 की राज्यक्रान्ति की द्वितीय शहीद वीरांगना

जीवन परिचय

नाम	:	रानी लक्ष्मीबाई
जन्म	:	19 नवम्बर 1828
जन्म स्थान	:	वाराणसी
पिता	:	मोरोपंत तांबे
माता	:	भागीरथी सापरे
पति/पत्नी	:	गंगाधर राव नेवालकर
शिक्षा	:	शास्त्रों के साथ शस्त्र की शिक्षा ली
अवार्ड	:	-
नागरिकता	:	भारतीय
मृत्यु	:	17-18th जून 1858 (उम्र 29)

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति

बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड (BBOSE) की द्वितीय उच्चतर माध्यमिक (12वीं) सैद्धान्तिक परीक्षा, दिसम्बर, 2024 के अन्तर्गत दिनांक 26.08.2025 एवं 06.09.2025 की परीक्षा अपरिहार्य कारणों से परिवर्तित करते हुए अब दिनांक 09.09.2025 एवं दिनांक 10.09.2025 को आयोजित करने के संबंध में आवश्यक सूचना

एतद् द्वारा सभी संबंधितों को सूचित किया जाता है कि बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड (BBOSE) के द्वितीय उच्चतर माध्यमिक (12वीं) सैद्धान्तिक परीक्षा, दिसम्बर, 2024 के अन्तर्गत **दिनांक 26.08.2025 एवं 06.09.2025 की परीक्षा अपरिहार्य कारणों से अब दिनाक 09.09.2025 एवं 10.09.2025 को** आयोजित किया जाएगा, जो इस प्रकार है:—

पूर्व की तिथि	परीक्षा आयोजन हेतु संशोधित तिथि	प्रथम पाली (पूर्वाह्न 9:30 बजे से 12:45 बजे अपराह्न तक)		द्वितीय पाली (अपराह्न 02:00 बजे से 05:15 बजे अपराह्न तक)	
		विषय कोड	विषय का नाम	विषय कोड	विषय का नाम
दिनांक 26.08.2025 (मंगलवार)	दिनांक 09.09.2025 (मंगलवार)	310	गणित	312	रसायन विज्ञान
दिनांक 06.09.2025 (शनिवार)	दिनांक 10.09.2025 (बुधवार)	318	व्यवसाय अध्ययन	324 325	शिक्षाशास्त्र दर्शनशास्त्र

2. इस परीक्षा के लिए पूर्व से निर्गत निदेश एवं प्रवेश पत्र ही मान्य होंगे। पूर्व से आपूरित सामग्रियों से ही यह परीक्षा संचालित कराई जाएगी। तदनुसार सभी संबंधितों के स्तर पर सभी आवश्यक कार्रवाई ससमय अपेक्षित है।

3. विज्ञप्ति संख्या – पी०आर० 186/2025 के शेष निदेश यथावत् रहेंगे।

विज्ञप्ति संख्या – पी.आर. 202/2025

परीक्षा नियंत्रक (उ0मा0)

Follow @ @officialbseb @officialbseb @officialbseb biharschoolexaminationboard

चेतना टीम

समस्तीपुर

पिन - 848207 (बिहार)

मो. +91 9473119007

Email : chetanastr@gmail.com

https://t.me/TeacherHelpline

https://www.teachersofbihar.org/

नोट : रविवार के दिन खुलने वाले विद्यालय शुक्रवार के दिन प्रकाशित होने वाले चेतना का उपयोग कर सकते हैं।

चेतना सत्र (सोमवार)

चेतना

25 अगस्त 2025 Monday सोमवार 25-Aug-2025 से 30-Aug-2025 वर्ष 04

1. प्रार्थना

प्रार्थना

तू ही राम है, तू रहीम है, तू करीम कृष्ण खुदा हुआ,
तू ही राम है तू रहीम हैं, तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु तू यीशु मसीह, हर नाम में तू समा रहा,
तू ही राम है, तू रहीम है।
तेरी जात पाक कुरान में, तेरा दर्श वेद पुराण में,
गुरु ग्रन्थ जी के बख़ान में, तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है, तू रहीम है, तू करीम कृष्ण खुदा हुआ,
तू ही राम है, तू रहीम है।
अरदास है कहीं कीर्तन, कहीं राम धुन कहीं आह्वान,
अरदास है कहीं कीर्तन, कहीं राम धुन कहीं आह्वान
विधि वेद का है ये सब रचन, तेरा भक्त तुझको बुला रहा,
तू ही राम है, तू रहीम है, तू करीम कृष्ण खुदा हुआ,
तू ही राम है, तू रहीम है।

अभियान गीत

घर-घर अलख जगाएगें, हम बदलेंगे जमाना।।
निश्चय हमारा, ध्रुव सा अटल है।
काया की रग-रग में, निष्ठा का बल है।।
जागृति शंख बजायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।
बदली हैं हमने अपनी दिशायें।
मंजिल नयी तय, करके दिखायें।।
धरती को स्वर्ग बनायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।।
श्रम से बनायेंगे, माटी को सोना।
जीवन बनेगा, उपवन सलोना।।
मंगल सुमन खिलायेंगें, हम बदलेंगे जमाना।।
कोरी कल्पना की तोड़ेंगे कारा।
ममता की निर्मल, बहायेंगे धारा।।
समता की दीप जलायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।।

बिहार राज्य प्रार्थना

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे
मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे
इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे
आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

- एम. आर. चिश्ती

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत-शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण, तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करूणा है, तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप, तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा, तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह, तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि, धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व, तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान, अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक,
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार,
मेरे भारत के कंठहार

- सत्यनारायण

2. आज का विचार

दूसरों के बारे में उतना ही बोलो जितना खुद के बारे में सुन सको।

3. शब्द ज्ञान

	English		
1.	Kind	*काईन्ड*	दयालू
2.	Sad	*सैड*	उदास
3.	Gentle	*जेंटल*	नेक
4.	Ill	*ईल*	बीमार
5.	Healthy	*हैल्दी*	स्वस्थ

	हिन्दी	
	पेचीदा	कठिन
	बर्दाश्त	सहना
	नस्ल	जाति, वंश
	प्रतिरूप	छाया
	रिपु	शत्रु

	संस्कृत	
	विश्वसन्ति	विश्वास करते हैं
	विद्वेषस्य	शत्रुता का
	स्वकियम्	अपना
	ज्ञायते	जाना जाता है
	परोवेति	अथवा पराया

	اردو (उर्दू)		
1.	شگفتہ	*Shagufta*	प्रफुल्लित
2.	شاداب	*Shadaab*	हरा भरा
3.	مخزن	*Makhjan*	भंडार
4.	مجمع	*Majma*	समूह
5.	سوت	*Suut*	डोरा

4. दिवस ज्ञान

राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा

5. सामान्य ज्ञान-विज्ञान

1. भूमध्य रेखा के उत्तर में 23.5° अक्षांश को क्या कहा जाता है ? : कर्क रेखा
2. भूमध्य रेखा के दक्षिण में 23.5° डिग्री अक्षांश को क्या कहते हैं ? : मकर रेखा
3. भूमध्य रेखा के उत्तर में 66.5 डिग्री अक्षांश को क्या कहा जाता है ? : आर्कटिक वृत

4. भूमध्य रेखा के दक्षिण में 66.5 डिग्री अक्षांश को क्या कहा जाता है? : अंटार्कटिक वृत
5. जब पृथ्वी सूरज के अत्यधिक पास होती है तो ऐसी स्थिति को क्या कहते हैं ? : उपसौर

6. तर्क ज्ञान

1. पर्यावरण का संधि विच्छेद होगा? : परि + आवरण
2. किसी वर्ग के चार चक्कर लगाने पर 16 किलोमीटर की दूरी पूरी होती है तो वर्ग का क्षेत्रफल क्या होगा? : एक वर्ग किलोमीटर
3. कौन सा अधातु विद्युत तथा ऊष्मा का सुचालक होता है? : ग्रेफाइट
4. बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना कब शुरुआत की गई? : जनवरी 2015
5. FGH,JKL,NOP,RS.... : T

7. अशुद्ध-शुद्ध

1. अरपन : अर्पण
2. अहार : आहार
3. इसाई : ईसाई
4. अनभिग्य : अनभिज्ञ
5. अभिसेक : अभिषेक

8. प्रेरक प्रसंग

लालच

रेलवे स्टेशन पर मालगाड़ी से शीरे के बड़े-बड़े ड्रम उतारे जा रहे थे। उन ड्रमों से थोड़ा-थोड़ा शीरा मालगाड़ी के पास नीचे ज़मीन पर गिर रहा था। जहाँ शीरा गिरा था मक्खियाँ आकर बैठ गई और शीरा चाटने लगीं। ऐसा करने से उनके छोटे-छोटे मुलायम पंख उस शीरे में ही चिपक गए, फिर भी मक्खियों ने उधर ध्यान न देकर शीरे का लालच न छोड़ा और काफ़ी देर तक शीरा चाटने में ही मगन रहीं।

कुछ समय बाद वहाँ एक कुत्ता भी आ गया। कुत्ते को देखकर वे मक्खियाँ डरीं और वहाँ से उड़ने की कोशिश करने लगीं, परंतु पंख शीरे में चिपक जाने के कारण वे उड़ नहीं सकीं और शीरे के साथ-साथ वे सब भी कुत्ते का भोजन बनती गई। उसी समय उड़ते-उड़ते और कई मक्खियाँ भी उस शीरे पर आकर बैठती गई। उन सबके पंख भी शीरे में चिपक गए और वे भी उस कुत्ते का भोजन बन गई। उन्होंने पहले से पड़ी मक्खियों की दुर्गति और विनाश देखकर भी उनसे कोई सीख नहीं ली, जबकि वही विनाश उनकी भी प्रतीक्षा कर रहा था।
यही दशा इस संसार की है। मनुष्य देखता है कि लोभ-मोह किस तरह आदमी को दुर्गति में, संकट में डालता है, फिर भी वह दुनिया के इन दुर्गुणों से बचने की कोशिश कम ही करता है। परिणामत: अनेक मनुष्यों की भी वही दुर्गति होती है, जो उन लोभी मक्खियों की हुई।

चेतना सत्र (बुधवार)

चेतना

27 अगस्त 2025 Wednesday बुधवार | 25-Aug-2025 से 30-Aug-2025 | वर्ष 04

1. प्रार्थना

प्रार्थना

हर देश में तू, हर भेष में तू, तेरे नाम अनेक तू एक ही है |

हर देश में तू, हर भेष में तू, तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरी रंग भूमि यह विश्व धरा, सब खेल में, मेल में तू ही तो है |
हर देश में तू, हर भेष में तू, तेरे नाम अनेक तू एक ही है,

सागर से उठा बादल बनके, बादल से फूटा जल होकर के,
फिर नहर बना नदियाँ गहरी, तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है,
हर देश में तू, हर भेष में तू, तेरे नाम अनेक तू एक ही है,

मिट्टी से अणु परमाणु बना, तूने दिव्य जगत का रूप लिया,
फिर पर्वत वृक्ष विशाल बना, सौन्दर्य तेरा तू एक ही है |
हर देश में तू, हर भेष में तू, तेरे नाम अनेक तू एक ही |

अभियान गीत

विश्वगुरु भारत हो अपना यह संकल्प हमारा है....
नामांकन हो हर बच्चे का गूँज रहा यह नारा है...
नयी पौध रोपण को अपने विद्यालय को सँवारा है....
कायाकल्प मिशन बेसिक हमने साकार उतारा है...
भौतिक संसाधन हों चाहे श्रेष्ठ प्रशिक्षित मानव श्रम
किसी दृष्टि से नहीं है बेसिक निजी विद्यालय से अब कम..
कमर कस चुका हर एक शिक्षक बना लिया यह पूरा मन
अपने बच्चों की उन्नति में जुटेंगे हम सह तन मन धन
बस समाज से आशा इतनी वह इसमें कुछ योग करें...
राज्य दे रहा हर एक सुविधा आप भी कुछ उद्योग करें...
रोज आयें बच्चे विद्यालय इतना तो सहयोग करें...
आस पास रहे कोई न वंचित सब "ज्ञानामृत भोग" करें...
बिहार के हर एक शिक्षक का अभिभावक को यही वचन
आप अपने बच्चे को भेजें बना देंगे उनका जीवन...

बिहार राज्य प्रार्थना

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे
मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे
इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे
आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

- एम. आर. चिश्ती

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत-शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण, तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करूणा है, तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप, तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा, तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह, तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि, धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व, तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान, अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक,
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार,
मेरे भारत के कंठहार

- सत्यनारायण

2. आज का विचार

बुद्धिमान व्यक्ति दूसरों की गलती से सीखता है।

3. शब्द ज्ञान

	English		
1.	Read	*रीड*	पढ़ना
2.	Write	*राईट*	लिखना
3.	play	*प्ले*	खेलना
		डांस	नाचना
1.	song	*सॉन्ग*	गाना

	हिन्दी	
	संरक्षण	देखरेख
	विचलित	चंचल
	प्रकोष्ठ	कमरा
	पथिक	राहगीर
	विरक्त	उदासीन

	संस्कृत	
	जाता	उत्पन्न हुई
	कश्चित्	कोई
	अधः	नीचे
	अगत्य	आकर
	सुण्डेन	सूंड से

	اردو (उर्दू)		
1.	عدالت	*Adalat*	न्यायालय
2.	عدل	*Adal*	न्याय
3.	پست	*Pa st*	पिछड़ा
4.	مان	*Maan*	प्रतिष्ठा
5.	ناحق	*Naahaq*	अनीती

4. दिवस ज्ञान

राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा

5. सामान्य ज्ञान-विज्ञान

1. पृथ्वी जब सूर्य से अधिकतम दूरी पर होती है तब ऐसी स्थिति को क्या कहते हैं ? : अपसौर
2. वायुमंडल के सबसे निचली परत को क्या कहते हैं ? : क्षोभमंडल

3. भारत और अफगानिस्तान के बीच कौन सी रेखा है ? : डुरण्ड रेखा
4. भारत और पाकिस्तान के बीच कौन सी रेखा है? : रेडक्लिफ रेखा
5. भारत एवं चीन की सीमा को क्या कहते हैं ? : मैकमोहन रेखा

6. तर्क ज्ञान

1. 611/1363 सरलतम रूप क्या है? : 13/29
2. भारत में हिन्दी-भाषी राज्यों की संख्या है ? : 15
3. बूझो तुम ये पहेली, जब भी छिलोगे मुझे मैं हो जाती हूं नवेली। : पेंसिल
4. उस गैस का नाम बताइए जो वायुयान के ट्यूबो मे डाला जाता है? : निऑन
5. कौन सा कम्प्यूटर 1से(*कंड मे शतरंज की 20 कड़ोर चाल सोच सकता है? : डीप ब्लू कम्प्यूटर

7. अशुद्ध-शुद्ध

1. अतैव : अतएव
2. अधार : आधार
3. अभिषट : अभीष्ट
4. अभीनेता : अभिनेता
5. अयकर : आयकर

8. प्रेरक प्रसंग

विश्वास

एक डाकू था जो साधू के भेष में रहता था। वह लूट का धन गरीबों में बाँटता था। एक दिन कुछ व्यापारियों का जुलूस उस डाकू के ठिकाने से गुज़र रहा था। सभी व्यापारियों को डाकू ने घेर लिया। डाकू की नज़रों से बचाकर एक व्यापारी रुपयों की थैली लेकर नज़दीकी तंबू में घूस गया। वहाँ उसने एक साधू को माला जपते देखा। व्यापारी ने वह थैली उस साधू को संभालने के लिए दे दी। साधू ने कहा की तुम निश्चिन्त हो जाओ।

डाकूओं के जाने के बाद व्यापारी अपनी थैली लेने वापस तंबू में आया। उसके आश्चर्य का पार न था। वह साधू तो डाकूओं की टोली का सरदार था। लूट के रुपयों को वह दूसरे डाकूओं को बाँट रहा था। व्यापारी वहाँ से निराश होकर वापस जाने लगा मगर उस साधू ने व्यापारी को देख लिया। उसने कहा; "रूको, तुमने जो रूपयों की थैली रखी थी वह ज्यों की त्यों ही है।"
अपने रुपयों को सलामत देखकर व्यापारी खुश हो गया। डाकू का आभार मानकर वह बाहर निकल गया। उसके जाने के बाद वहाँ बैठे अन्य डाकूओं ने सरदार से पूछा कि हाथ में आये धन को इस प्रकार क्यों जाने दिया। सरदार ने कहा; "व्यापारी मुझे भगवान का भक्त जानकर भरोसे के साथ थैली दे गया था। उसी कर्तव्यभाव से मैंने उन्हें थैली वापस दे दी।"
किसी के विशवास को तोड़ने से सच्चाई और ईमानदारी हमेशा के लिए शक के घेरे में आ जाती है।

चेतना सत्र (गुरुवार)

चेतना

28 अगस्त 2025 Thursday गुरुवार 25-Aug-2025 से 30-Aug-2025 वर्ष 04

1. प्रार्थना

प्रार्थना

हे प्रभु ! आनंद दाता !! ज्ञान हमको दीजिये |
शीघ्र सारे दुर्गुणों को दूर हमसे कीजिये || हे प्रभु...
लीजिये हमको शरण में हम सदाचारी बनें |
ब्रह्मचारी धर्मरक्षक वीर व्रतधारी बनें || हे प्रभु...
निंदा किसीकी हम किसीसे भूल कर भी न करें |
ईर्ष्या कभी भी हम किसीसे भूल कर भी न करें || हे प्रभु .....
सत्य बोलें झूठ त्यागें मेल आपस में करें |
दिव्य जीवन हो हमारा यश तेरा गाया करें || हे प्रभु .....
जाये हमारी आयु हे प्रभु ! लोक के उपकार में |
हाथ डालें हम कभी न भूलकर अपकार में || हे प्रभु .....
कीजिये हम पर कृपा ऐसी हे परमात्मा !
मोह मद मत्सर रहित होवे हमारी आत्मा || हे प्रभु .....
प्रेम से हम गुरुजनों की नित्य ही सेवा करें |
प्रेम से हम संस्कृति की नित्य ही सेवा करें || हे प्रभु...
योगविद्या ब्रह्मविद्या हो अधिक प्यारी हमें |
ब्रह्मनिष्ठा प्राप्त करके सर्वहितकारी बनें || हे प्रभु...

अभियान गीत

हो जाओ तैयार साथियों हो जाओ तैयार साथियों,
हो जाओ तैयार,
अर्पित कर दो तन मन धन, मांग रही शिक्षा अर्पण,
शिक्षा के जो काम न आए, तो जीवन बेकार,
हो जाओं तैयार साथियो, हो जाओं तैयार साथियो ,
हो जाओ तैयार ।।
सोचने का समय गया, उठो लिखो इतिहास नया जवाब ,
उजियाले से दे दो तुम दुनिया को जवाब,
दुनिया को साथियों , ।। दुनिया को जवाब ,
हो जाओं तैयार साथियो, हो जाओ तैयार ।।
तूफानी गति रुके नही, पाँव थके पर थमे नही ,
उठे हुए माथे के आगे, ठहर न पाती हार ,
ठहर न पाती हार साथियों, ठहर न पाती हार साथियों ,
हो जाओं तैयार साथियो, हो जाओ तैयार ।।
कांप उठे धरती अम्बर,और उठाओ ऊंचा सर ,
कोटि कोटि कंठों से गूंजे, शिक्षा की जयकार ,
हो जाओं तैयार साथियो, हो जाओ तैयार ।।.

बिहार राज्य प्रार्थना

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे
मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे
इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे
आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

- एम. आर. चिश्ती

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत-शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण, तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करूणा है, तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप, तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा, तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह, तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि, धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व, तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान, अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक,
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार,
मेरे भारत के कंठहार

- सत्यनारायण

2. आज का विचार

आपके साथ मीठी बातें करने वाला और पीठ पीछे आपकी बुराई करने वाले दोस्त को आपको विष के समान त्याग देना चाहिए।

3. शब्द ज्ञान

	English		
1.	Developed	*डेवलप्ड*	विकसित
2.	Originally	*अरिजनली*	मूल रूप से
3.	Appointment	*अपॉइंटमेंट*	नियुक्ति
4.	Participate	*पार्टिसिपेट*	भाग लेना
5.	Shuffle	*शफल*	हेर फेर

	हिन्दी	
	पुनरावृति	फिर से दोहराना
	नेतृत्व	अगुवाई करना
	चैतन्य	जागरूकता
	विस्मित	हैरान
	परिष्कार	सुधार, शुद्धीकरण

	संस्कृत	
	अतुत्य	: तोड़ दिया
	नीडम्	घोंसला
	अपतत	गिर पड़ा
	समवाय:	समूह
	अनुसृत्य	करके

	اردو (उर्दू)		
1.	نصیحت	*Naseehat*	चेतावनी
2.	ذہین	*Zaheen*	बुद्धिमान
3.	شرابور	*Shrabor*	भीगा
4.	خراش	*Khrash*	छिलन
5.	افسردگی	*Afsurdagi*	उदासीनता

4. दिवस ज्ञान

राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा

5. सामान्य ज्ञान-विज्ञान

1. देश में सर्वाधिक राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है? : मध्यप्रदेश
2. भारत का प्रथम राष्ट्रीय उद्यान कौन-सा है? : जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क
3. गिर राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है ? : गुजरात
4. कैमूर वन्य जीव अभ्यारण्य किस राज्य में अवस्थित है? : बिहार
5. दुधवा नेशनल उद्यान किस राज्य में अवस्थित है? : उत्तरप्रदेश

6. तर्क ज्ञान

1. 2324 तथा 8148 का महत्तम समाप्रवर्तक क्या होगा? : 28
2. संविधान के किस भाग में हिन्दी को भारत की राजभाषा कहा गया है ? : भाग 17
3. एक पैर और बाकी धोती , सावन में वो अक्सर रोती। : छतरी
4. किस धातु का अयस्क पिच ब्लैंड होता है? : यूरेनियम
5. इन्टनेट पर प्रकशित होने वाले पहली भारतीय पत्रिका कौन सी थी? : इंडिया टुडे

7. यण संधि

1. अत्यावश्यक : अति +आवश्यक
2. अन्वीक्षण : अनु + ईक्षण
3. अभ्यागत : अभि +आगत
4. अभ्युदय : अभि + उदय
5. इत्यादि : इति+ आदि

8. प्रेरक प्रसंग

साधुमन

भारतीय साहित्य में ऐसे अनेक प्रसंग मिलते हैं जो हमारे जीवन में प्रेरणा–स्त्रोत बन जाते हैं और अनजाने ही हमें एक ऐसा संदेश भी दे जाते हैं जो हमारे संस्कारों को भी परिष्कृत करता है। एक ऐसा ही प्रसंग स्वामी विवेकानंद के संदर्भ में आज भी हमें भावविह्वल कर जाता है। बात उस समय की है, जब विवेकानंद जी को शिकागो की धर्मसभा में भारतीय संस्कृति पर बोलने के लिए आमंत्रित किया गया था। वे भारत के प्रथम संत थे जिन्हें अंतरराष्ट्रीय सर्वधर्म सभा में प्रवचन देने हेतु आमंत्रित किया गया था।

स्वामी विवेकानंद के गुरू रामकृष्ण परमहंस का देहांत हो चुका था। इसलिए इस महती यात्रा पर जाने से पूर्व उन्होंने गुरू मां शारदा ह्यस्वामी रामकृष्ण परमहंस की धर्मपत्नीहू से आशीर्वाद लेना आवश्यक समझा। वे गुरू मां के पास गये, उनके चरण स्पर्श किये और उन्हें अपना मंतव्य बताते हुए बोले, "मां, मुझे भारतीय संस्कृति पर बोलने के लिए अमरीका से आमंत्रण मिला है। मुझे आपका आशीर्वाद चाहिए ताकि मैं अपने प्रयोजन में सफल हो सकूं।"

मां शारदा ने अधरों पर मधुर स्मित लाते हुए कहा, "आशीर्वाद के लिए कल आना। मैं पहले देख लूंगी कि तुम्हारी पात्रता है भी या नहीं? और बिना सोचे–विचारे मैं आशीर्वाद नहीं दिया करती हूं।"

विवेकानंदजी सोच में पड़ गये, मगर गुरू मां के आदेश का पालन करते हुए दूसरे दिन फिर उनके सम्मुख उपस्थित हो गये। मां शारद रसोईघर में थीं।
विवेकानंदजी ने कहा, "मां मैं आशीर्वाद लेने आया हूं।"
"ठीक है आशीर्वाद तो तुझे मैं सोच–समझकर दूंगी। पहले तू मुझे वो चाकू उठाकर दे दे मुझे सब्जी काटनी है।" मां शारदा ने कहा।

विवेकानंदजी ने चाकू उठाया और विनम्रतापूर्वक मां शारदा की ओर बढ़ाया। चाकू लेते हुए ही मां शारदा ने अपने स्निग्ध आशीर्वचनों से स्वामी विवेकानंद को नहला–सा दिया। वे बोलीं, "जाओ नरेन्द्र मेरे समस्त आशीर्वाद तुम्हारे साथ हैं। तुम अपने उद्देश्य में अवश्य ही सफलता प्राप्त करोगे।
तुम्हारी सफलता में मुझे कोई संदेह नहीं रहा है।"

स्वामीजी हतप्रभ। उनकी समझ में नहीं आ रहा था कि गुरू मां के आशीर्वाद और मेरे चाकू उठाने के बीच ऐसा क्या घटित हो गया? शंका निवारण के प्रयोजन से उन्होंने गुरू मां से पूछ ही लिया, "आपने आशीर्वाद देने से पहले मुझसे चाकू क्यों उठवाया था?"

"तुम्हारा मन देखने के लिए।" मां शारदा ने कहा, "प्राय: जब भी किसी व्यक्ति से चाकू मांगा जाता है तो वह चाकू की मूठ अपनी हथेली में समो लेता है और चाकू की तेज फाल दूसरे के समक्ष करता है। मगर तुमने ऐसा नहीं किया। तुमने चाकू की फाल अपनी हथेली में रखी और मूठवाला सिरा मेरी तरफ बढ़ाया।

यही तो साधु का मन होता है, जो सारी आपदा को स्वयं झेलकर भी दूसरे को सुख ही प्रदान करना चाहता है। वह भूल से भी किसी को कष्ट नहीं देना चाहता। अगर तुम साधुमन नहीं होते तो तुम्हारी हथेली में भी चाकू की मूठ होती, फल नहीं।"

चेतना सत्र (शुक्रवार)

चेतना

29 अगस्त 2025 Friday शुक्रवार 25-Aug-2025 से 30-Aug-2025 वर्ष 04

1. प्रार्थना

प्रार्थना

लब पे आती है दुआ बन के तमन्ना मेरी !
ज़िंदगी शमा की सूरत हो ख़ुदाया मेरी !!

दूर दुनिया का मेरे दम से अंधेरा हो जाए !
हर जगह मेरे चमकने से उजाला हो जाए !!

हो मेरे दम से यूं ही मेरे वतन की ज़ीनत !
जिस तरह फूल से होती है चमन की ज़ीनत !!

ज़िंदगी हो मिरी परवाने की सूरत या-रब !
इल्म की शमा से हो मुझ को मोहब्बत या-रब !!

हो मेरा काम ग़रीबों की हिमायत करना !
दर्द-मंदों से ज़ईफ़ों से मोहब्बत करना !!

मेरे अल्लाह! बुराई से बचाना मुझ को !
नेक जो राह हो..! उस रह पे चलाना मुझ को !!

अभियान गीत

घर-घर अलख जगाएगें, हम बदलेंगे जमाना।।
निश्चय हमारा, ध्रुव सा अटल है।
काया की रग-रग में, निष्ठा का बल है।।
जागृति शंख बजायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।
बदली हैं हमने अपनी दिशायें।
मंजिल नयी तय, करके दिखायें।।
धरती को स्वर्ग बनायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।।
श्रम से बनायेंगे, माटी को सोना।
जीवन बनेगा, उपवन सलोना।।
मंगल सुमन खिलायेंगें, हम बदलेंगे जमाना।।
कोरी कल्पना की तोड़ेंगे कारा।
ममता की निर्मल, बहायेंगे धारा।।
समता की दीप जलायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।।

बिहार राज्य प्रार्थना

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे
मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे
इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे
आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

- एम. आर. चिश्ती

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत-शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण, तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करूणा है, तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप, तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा, तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह, तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि, धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व, तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान, अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक,
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार,
मेरे भारत के कंठहार

- सत्यनारायण

2. आज का विचार

बड़ा सोचो, जल्दी सोचो, आगे की सोचो क्योंकि विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है। – धीरुभाई अम्बानी

3. शब्द ज्ञान

	English		
1.	Height	*हाईट*	ऊँचाई
2.	Length	*लेंगथ*	लम्बाई
3.	Width	*विड्थ*	चौड़ाई
4.	Thickness	*थिक्नस*	मोटाई
5.	Depth	*डेपथ*	गहराई

	हिन्दी	
	प्रतिकार	विरोध
	तत्परता	जल्दबाजी
	कचहरी	न्यायालय
	संशय	संदेह
	अनिमेष	अपलक

	संस्कृत	
	अपहाय	छोड़कर
	समवायो	संयोग
	दुर्जयः	जिसे जीतना कठि
	चटका	चिड़िया
	संतति	संतान

	اردو (उर्दू)		
1.	ندامت	*Nedamat*	लाज
2.	اظہر	*Azhar*	प्रकट
3.	تواضع	*Tawajaa*	आदर
4.	ضعیف	*Zayeef*	निर्बल
5.	شفقت	*Shafqat*	ममता

4. दिवस ज्ञान

राष्ट्रीय खेल दिवस

5. सामान्य ज्ञान-विज्ञान

1. भारत का स्विट्जरलैंड किसे कहा जाता है ? : कश्मीर
2. भारत में सूती वस्त्रों की राजधानी किसे कहा जाता है ? : मुम्बई

3. भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों का चौराहा किसे कहा जाता है ? : कानपुर
4. राजस्थान का गौरव किसे कहा जाता है ? : चित्तौड़गढ़
5. बिहार का शोक किस नदी को कहा जाता है ? : कोशी नदी

6. तर्क ज्ञान

1. चयन' शब्द में संधि-विच्छेद होगा : चे +अन
2. 200 तक कितनी संख्याएँ ऐसी हैं, जो 2 और 3 दोनों से विभाज्य हैं? : 33
3. वायुमंडल में जलवाष्प की मात्रा का माप क्या कहलाता है : आद्रता
4. BMW किस देश की कम्पनी है? : जर्मनी
5. भारत में वजट कौन पेस करता है? : वित्त मंत्री

7. गुण संधि

1. आत्मोत्सर्ग : आत्म + उत्सर्ग
2. अर्थोपार्जन : अर्थ + उपार्जन
3. आनन्दोत्सव : आनंद + उत्सव
4. उपेक्षा : उप + ईक्षा
5. उमेश : उमा + ईश

8. प्रेरक प्रसंग

वृद्धाश्रम

यात्रा के दौरान रेल में वर्षों वाद अपने एक परिचिच तिलककुमार जी से अचानक मुलाकात हो गई। पुरानी बतें चर्चा में आईं उके गिरते स्वास्थ्य के प्रति मैंने सहानुभूति दिखलाई। पन्द्रह वर्ष पूर्व उनकी पत्नी के निधन की जानकारी पाकर दुख हुआ। अपने परिवार के बारे में उन्होंने बताया- सब सुखी और सम्पन्न हैं। दोनो लड़कियों की शादी खाते पीते घर में हुई है। एक पुत्र रेडीमेड कपड़ों का अच्छा शो-रूम चला रहा है। एक पुत्र रेल विभाग में अच्छी पोस्ट पर पास के ही शहर में है और एक पुत्र बैंक मैनेजर है।

मैंने कहा कितनी खुसी की बात है। वे दिन याद आते हैं, जब आपने अपना स्वाभिमान कायम रखते हुए कष्ट उठाए, दिन रात मेहनत करके ट्यूशनों से अर्थोपार्जन किया। बच्चों को पढ़ा-लिखाकर योग्य बनाने की आपकी चिन्ता मेरी स्मृति में है। आपने जिस भाँति पितृ-धर्म का निर्वाह किया है- वह प्रेरक है। मुस्कुराते हुए उन्होंने कहा- प्रभु की माया है।

अगली बार पुनः मुलाकात करने का वादा करते हुए उनसे पता पूछा तो बताया- हनुमान मंदिर के दक्षिण से तीसरी गली में के चौराहे पर किनारे वाले भवन में मैं रहता हूँ।

करीब सात-आठ माह बात मैं छुट्टीयों में वापस शहर लौटा तो तिलककुमारजी से मिलने रवाना हुआ। हनुमानजी के मंदिर के पास पूछताछ की तो मालूम हुआ, वह भवन वृद्धाश्रम है। मैं स्तब्ध रह गया। कहाँ पितृ-धर्म के निर्वाह का बलिदानी और कहाँ इस असहाय जीवन की स्थिति। करुणा भाव से मन इतना विह्वल हुआ कि उनसे मिले बगैर ही मुझे वापस लौटना पड़ा, क्यों कि जीवन के इस सत्य को मेरा कमजोर मन झेल नहीं पाया।

चेतना सत्र (शनिवार)

चेतना

30 अगस्त 2025 Saturday शनिवार | 25-Aug-2025 से 30-Aug-2025 | वर्ष 04

1. प्रार्थना

प्रार्थना

दया कर, दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना।
दया करना, हमारी आत्मा को शुद्धता देना॥
हमारे ध्यान में आओ, प्रभु आँखों में बस जाओ।
अंधेरे दिल में आकर के परम ज्योति जगा देना॥
दया कर, दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना...
बहा दो प्रेम की गंगा, दिलो में प्रेम का सागर।
हमें आपस में मिलजुल कर, प्रभु रहना सिखा देना॥
दया कर, दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना...
हमारा धर्म हो सेवा, हमारा कर्म हो सेवा
सदा ईमान हो सेवा, हो सेवकचर बना देना।
दया कर, दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना...
वतन के वास्ते जीना, वतन के वास्ते मरना।
वतन पर जा फ़िदा करना, प्रभु हमको सिखा देना॥
दया कर, दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना...
दया करना, हमारी आत्मा, को शुद्धता देना
दया कर, दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना
दया कर, दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना...
दया कर, दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना।
दया करना, हमारी आत्मा को शुद्धता देना॥

अभियान गीत

घर-घर अलख जगाएगें, हम बदलेंगे जमाना।।
निश्चय हमारा, ध्रुव सा अटल है।
काया की रग-रग में, निष्ठा का बल है।।
जागृति शंख बजायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।
बदली हैं हमने अपनी दिशायें।
मंजिल नयी तय, करके दिखायें।।
धरती को स्वर्ग बनायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।।
श्रम से बनायेंगे, माटी को सोना।
जीवन बनेगा, उपवन सलोना।।
मंगल सुमन खिलायेंगें, हम बदलेंगे जमाना।।
कोरी कल्पना की तोड़ेंगे कारा।
ममता की निर्मल, बहायेंगे धारा।।
समता की दीप जलायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।।

बिहार राज्य प्रार्थना

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे
मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे
इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे
आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

- एम. आर. चिश्ती

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत-शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण, तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करूणा है, तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप, तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा, तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह, तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि, धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व, तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान, अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक,
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार,
मेरे भारत के कंठहार

- सत्यनारायण

2. आज का विचार

अपनी स्वयं की क्षमता से काम करो, दूसरों पर निर्भर मत रहो।

3. शब्द ज्ञान

	English		
1.	Above	*अबव*	ऊपर
2.	Accept	*एसेप्ट*	स्वीकार करना
3.	Artificial	*आर्टिफिशियल*	बनावटी
4.	Agree	*अग्री*	सहमत
5.	Admire	*ऐड्माइर*	प्रशंसा

	हिन्दी	
पेचीदा	कठिन
प्रतिरूप	छाया
भद्दा	कुरूप
बर्दाश्त	सहना
नस्ल	जाति, वंश

	संस्कृत	
गर्त:	गड्ढा
दुर्जय:	कठिनता से जीत
पुरा	पुराने समय में
स्थास्यति	रुक जाएगा
तथा कृते	वैसा करने पर

	اردو (उर्दू)		
1.	ناغہ	*Naaga*	अनुपस्थित
2.	طبعی	*Tab aee*	प्राकृतिक
3.	بیداری	*Bedari*	जागरण
4.	تصدیق	*Tasdeeq*	सच्चाई
5.	فراموش	*Framush*	भुला

4. दिवस ज्ञान

लघु उद्योग दिवस

5. सामान्य ज्ञान-विज्ञान

1. धान की डलिया किस प्रदेश को कहा जाता है ? : छत्तीसगढ़
2. अरब सागर की रानी किसे कहा जाताहै ? : कोच्चि
3. त्योहारों का नगर किसे कहा जाता है ? : मदुरै
4. महलों का शहर किसे कहा जाता है ? : कोलकाता
5. रैलियों का नगर किसे कहा जाता है ? : नई दिल्ली

6. तर्क ज्ञान

1. स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज प्रधानमंत्री के द्वारा कहां पर फहराया जाता हैं? : लाल किले से
2. अंग्रेजी विषय के एक परीक्षा में 5 छात्रों का अंक 36,28,7,39,45 हैं तो इसकी मध्यिका होगी? : 36
3. हमारी आंख में कौन सा लेंस होता है? : उत्तल लेंस
4. प्राचीन नालंदा का अवशेष किस राज्य में देखे जा सकता है? : बिहार राज्य में
5. Apple =521, Mobile =612, लिखा है तो, Explaine=? : 215

7. गुण संधि

1. कमलेश : कमल + ईश
2. कर्णोध्दार : कर्ण + उध्दार
3. खगेश : खग +ईश
4. खगेंद्र : खग +इन्द्र
5. गजेंद्र : गज + इन्द्र

8. प्रेरक प्रसंग

स्वर्ग और नरक

एक युवक था। वह बंदूक और तलवार चलाना सीख रहा था। इसलिए वह यदा-कदा जंगल जाकर खरगोश, लोमड़ी और पक्षियों आदि का शिकार करता। शिकार करते-करते उसे यह घमंड हो गया कि उसके जैसा निशानेबाज़ कोई नहीं है और न उसके जैसा कोई तलवार चलाने वाला। आगे चलकर वह इतना घमंडी हो गया कि किसी बड़े के प्रति शिष्टाचार भी भूल गया।

उसके गाँव के बाहर कुटिया में एक संत रहते थे। वह एक दिन उनके पास पहुँचा। न उन्हें प्रणाम किया और न ही अपना परिचय दिया। सीधे उनके सामने पड़े आसन पर बैठ गया और कहने लगा, 'लोग बेकार में स्वर्ग-नरक में विश्वास करते हैं?

संत ने उससे पूछा, 'तुम तलवार साथ में क्यों रखते हो?'
उसने कहा, 'मुझे सेना में भर्ती होना है, कर्नल बनना है।'
इस पर संत ने कहा, 'तुम्हारे जैसे लोग सेना में भर्ती किए जाते हैं? पहले अपनी शक्ल शीशे में जाकर देख लो।'

यह सुनते ही युवक ग़ुस्से में आ गया और उसने म्यान से तलवार निकाल ली। तब संत ने फिर कहा, 'वाह! तुम्हारी तलवार भी कैसी है? इससे तुम किसी भी बहादुर आदमी का सामना नहीं कर सकते, क्यों कि वीरों की तलवार की चमक कुछ और ही होती है।'

फिर तो युवक गुस्से से आग-बबूला हो गया और संत को मारने के लिए झपटा। तब संत ने शांत स्वर से कहा, 'अब तुम्हारे लिए नरक का दरवाज़ा खुल गया।'

यह सुनते ही युवक की अक्ल खुल गई और उसने तलवार म्यान में रख ली। अब वह सर झुककर संत के सामने खड़ा था और अपराधी जैसा भाव दिखा रहा था। इस पर संत ने कहा, 'अब तुम्हारे लिए स्वर्ग का दरवाज़ा खुल गया।'

संविधान

चेतना

25 अगस्त 2025 Monday सोमवार | 25-Aug-2025 से 30-Aug-2025 | वर्ष 04

राष्ट्र-गान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता ।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिष मांगे
गाहे तव जय-गाथा ।
जन-गण-मंगलदायक जय हे भारत भाग्य विधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे ।

- रविन्द्रनाथ टैगोर

राष्ट्रीय गीत

वंदे मातरम्, वंदे मातरम्!
सुजलाम्, सुफलाम्, मलयज शीतलाम्,
शस्यश्यामलाम्, मातरम्!
वंदे मातरम्!
शुभ्रज्योत्सनाम् पुलकितयामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदल शोभिनीम्,
सुहासिनीम् सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदाम् वरदाम्, मातरम्!
वंदे मातरम्, वंदे मातरम्॥

- बंकिमचन्द्र चटर्जी

मौलिक अधिकार

1. समता का अधिकार (अनुच्छेद 14-18)
2. स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19-22)
3. शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23-24)
4. धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25-28)
5. संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार (अनुच्छेद 29-30)
6. संवैधानिक उपचारों का अधिकार (अनुच्छेद 32)

संविधान में उपबंधित मौलिक कर्तव्य

1. संविधान का पालन करना और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज एवं राष्ट्र गान का आदर करना।
2. स्वतंत्रता के लिये हमारे राष्ट्रीय संघर्ष को प्रेरित करने वाले महान आदर्शों का पालन करना।
3. भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को बनाए रखना और उसकी रक्षा करना।
4. देश की रक्षा करना और आह्वान किये जाने पर राष्ट्र की सेवा करना।
5. भारत के लोगों में समरसता और समान भातृत्व की भावना का निर्माण करना जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग आधारित सभी प्रकार के भेदभाव से परे हो। साथ ही ऐसी प्रथाओं का त्याग करना जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं।
6. हमारी समग्र संस्कृति की समृद्ध विरासत को महत्त्व देना और संरक्षित करना।
7. वनों, झीलों, नदियों और वन्यजीवन सहित प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा एवं सुधार करना और प्राणिमात्र के लिए दयाभाव रखना।
8. मानवतावाद, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा ज्ञानार्जन एवं सुधार की भावना का विकास करना।
9. सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा करना एवं हिंसा से दूर रहना।
10. व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधि के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिये प्रयास करना ताकि राष्ट्र लगातार उच्च स्तर की उपलब्धि हासिल करे।
11. 6 से 14 वर्ष तक के आयु के अपने बच्चों को शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना। (86वें संविधान द्वारा जोड़ा गया)

भारत के संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :
सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय,
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की स्वतंत्रता,
प्रतिष्ठा और अवसर की समता,
प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में, व्यक्ति की गरिमा और
राष्ट्र की एकता और अखण्डता
सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए
दृढ़ संकल्पित होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर 1949 ईस्वी (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

समय सारणी पाठ टीका

25 अगस्त 2025	Monday	सोमवार	25-Aug-2025 से 30-Aug-2025	वर्ष 04

ज्ञापांक : 01/मा०शि०-स्था 'ख'-68/2024/2444 दिनांक :- 21/11/2024 ज्ञापांक : 01/मा०शि०-68/24/664 दिनांक :- 04/04/2025

समय		09:30 - 10:00	10:00 - 10:40	10:40 - 11:20	11:20 - 12:00	12:00 - 12:40	12:40 - 01:20	01:20 - 02:00	02:00 - 02:40	02:40 - 03:20	03:20 - 04:00
		06:30 - 07:00	07:00 - 07:40	07:40 - 08:20	08:20 - 09:00	09:00 - 09:40	09:40 - 10:20	10:20 - 11:00	11:00 - 11:40	11:40 - 12:20	12:20 - 12:30
वर्ग	घंटी		पहली	दूसरी	तीसरी		चौथी	पंचमी	छठी	सप्तमी	आठमी
1		साफ-सफाई, चेतना सत्र - प्रार्थना	हिंदी (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)	हिंदी (कार्यपुस्तिका)	गणित (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)	मध्यांतर / मध्याह्न भोजन कार्यक्रम	अंग्रेजी (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)	हिंदी (पढ़ना)	गणित (कार्यपुस्तिका)	अंग्रेजी (पढ़ना और कार्यपुस्तिका)	खेल गतिविधि
2			हिंदी (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)	हिंदी (कार्यपुस्तिका)	गणित (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)		अंग्रेजी (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)	हिंदी (पढ़ना)	गणित (कार्यपुस्तिका)	अंग्रेजी (पढ़ना और कार्यपुस्तिका)	खेल गतिविधि
3			हिंदी (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)	हिंदी (कार्यपुस्तिका)	गणित (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)		अंग्रेजी (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)	पर्यावरण और हम (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)	हिंदी (पढ़ना)	गणित (कार्यपुस्तिका)	खेल गतिविधि
4			हिंदी (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)	हिंदी (कार्यपुस्तिका)	गणित (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)		अंग्रेजी (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)	पर्यावरण और हम (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)	हिंदी (पढ़ना)	गणित (कार्यपुस्तिका)	खेल गतिविधि
5			हिंदी (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)	हिंदी (कार्यपुस्तिका)	गणित (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)		अंग्रेजी (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)	पर्यावरण और हम (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)	हिंदी (पढ़ना)	गणित (कार्यपुस्तिका)	खेल गतिविधि
6			गणित	अंग्रेजी	विज्ञान		सामाजिक विज्ञान	हिंदी / उर्दू / अन्य	संस्कृत /राष्ट्रभाषा / अन्य	संस्कृत / राष्ट्रभाषा / अन्य	खेल गतिविधि
7			सामाजिक विज्ञान	गणित	अंग्रेजी		विज्ञान	संस्कृत /राष्ट्रभाषा / अन्य	हिंदी / उर्दू / अन्य	संस्कृत / राष्ट्रभाषा / अन्य	खेल गतिविधि
8			विज्ञान	सामाजिक विज्ञान	गणित		अंग्रेजी	संस्कृत /राष्ट्रभाषा / अन्य	संस्कृत /राष्ट्रभाषा / अन्य	हिंदी / उर्दू / अन्य	खेल गतिविधि

नोट:- 1. उपरोक्त वर्ग - समय सारिणी सुझावात्मक है। 2. विद्यालय अपने संसाधनों यथा - शिक्षक, छात्र, वर्ग कक्ष, सेक्शन की संख्या आदि की उपलब्धता के आधार पर उपरोक्त वर्ग - समय सारणी में परिवर्तन कर सकता है। 3. जिन विद्यालयों में पुस्तकालय है वहाँ बच्चों को सप्ताह में किसी दो अलग-अलग घटियों में पुस्तक पढ़ने को प्रेरित किया जा सकता है। 4. प्रत्येक सप्ताह में सभी विषय की साप्ताहिक मूल्यांकन विद्यालय अपनी सुविधा अनुसार किसी भी दिन किसी भी घंटी करेंगे।

पाठ टीका NOTES ON LESSONS

दिनांक	घंटी	कक्षा	विषय	प्रस्तावित पाठ की संक्षिप्त टिप्पणी	कृष्णपट-कार्य	अभ्युक्ति
Date	Period	Class	Subject	Brief notes on lessons proposed	Black Board work	Remarks
25 अगस्त 2025		सभी	चेतना सत्र	साफ-सफाई, प्रार्थना, व्यायाम एवं अन्य आयाम		
	1					
	2					
	3					
	4					
		सभी	मध्यांतर / मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम			
	5					
	6					
	7					
	8	पाठ टीका का संधारण				

शिक्षक का हस्ताक्षर

दैनिक शैक्षणिक कैलेण्डर (वर्ग I - V)

चेतना

25 अगस्त 2025 | Monday | सोमवार | समस्तीपुर | 25-Aug-2025 से 30-Aug-2025 | वर्ष 03

विषय	किताब का नाम	भाग	पाठ संख्या	पाठ का नाम	विधा	लेखक / स्रोत	पृष्ठ संख्या	घंटियों की संख्या
कक्षा - I								
हिंदी	नव अंकुर	1	7	धम्मक-धम्मक	कविता		34-38	12
English	NEW BLOSSOM	1	11	Let's Learn G, H, I			32	6
गणित	गणित		5	पूरे और आधे			80-81	9
उर्दू								
कक्षा - II								
हिंदी	नव अंकुर	2	8	भालू ने खेली फुटबॉल	कहानी		32-36	12
English	New BLOSSOM	II	9	Story - Three Little Kittens	Story		37-42	10
गणित	गणित		4	गुणा और भाग			62-75	21
उर्दू								
कक्षा - III								
हिंदी	कोंपल	1	10	कौवा और सांप	कहानी		37-44	12
English	BLOSSOM	III	8	KITH-KITH			42-46	10
गणित	गणित		4	गुणा			46-53	21
पर्यावरण और हम	पर्यावरण और हम	1	11	दीपावली की तैयारी			53-59	8
उर्दू								
कक्षा - IV								
हिंदी	कोंपल	2	10	तीन बुद्धिमान	एकांकी		38-44	14
English	BLOSSOM	IV	8	OUR NATIONAL FLAG			52-60	12
गणित	गणित		8	भिन्नात्मक संख्या			53-65	12
पर्यावरण और हम	पर्यावरण और हम	2	13	खेत से घर तक			63-67	7
उर्दू								
कक्षा - V								
हिंदी	कोंपल	3	12	कविता का कमाल	कहानी		74-82	10
English	BLOSSOM	V	9	BIRBAL'S WIT			61-67	11
गणित	गणित	3	7	कोण			75-94	10
पर्यावरण और हम	पर्यावरण और हम	3	10	हमारी फसलें - हमारा खान-पान			63-71	8
उर्दू								

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम

पचमा सप्ताह

(सुरक्षित शनिवार)

हाथ धुलाई, व्यक्तिगत स्वच्छता, आस–पास की साफ–सफाई, कचरा प्रबंधन की जानकारी एवं अभ्यास

फोकल शिक्षक एवं बाल प्रेरकों द्वारा चर्चा एवं गतिविधि के माध्यम से

हाथ धुलाई (स्वच्छ हाथ) :–

विद्यालयों में हाथ धोने के लिए नियमित रूप से पर्याप्त मात्रा में साबुन या सर्फ का घोल एवं पानी की व्यवस्था की जानी चाहिए एवं बच्चों में मध्याह्न भोजन के पहले एवं शौच के बाद साबुन से हाथ धोने की नियमित रूप से आदत विकसित करने का अभ्यास कराया जाना चाहिए।

अच्छी तरह से हाथ धोने का तरीका निम्न प्रकार है :–

- दोनों हथेलियों को पानी से भिंगोकर व साबुन लगाकर अच्छी तरह से रगड़ें।
- उंगलियों के बीच को भी अच्छी तरह से रगड़ें।
- साबुन को नाखूनों पर लगाएं एवं तलहटी पर सभी नाखूनों को एक जगह रखकर रगड़ें।
- हाथों के बीच के भाग को भी अच्छी तरह से साफ करें और अंत में पानी से हाथ धो लें।
- मध्याह्न भोजन बनाने एवं परोसने वाले को साबुन से हाथों की सफाई करनी चाहिए।

व्यक्तिगत स्वच्छता :–

- प्रत्येक दिन दाँत साफ करना चाहिए।
- प्रत्येक दिन स्नान करने के साथ–साथ, बालों को कंघी से झाड़ना चाहिए। सप्ताह में कम से कम एक बार बालों की सफाई साबुन या शैंपू से करनी चाहिए।
- हाथ हमेशा साफ रखना चाहिए एवं नाखून कटा होना चाहिए।
- कूड़े को हमेशा कूड़ेदान में फेंकना चाहिए।
- बालिकाओं में मासिक धर्म से संबंधित स्वयं की साफ सफाई के बारे में महिला शिक्षिका द्वारा जानकारी दी जाए।

बच्चों को कब हाथ धोना चाहिए ?

- नाश्ता अथवा खाना के पहले।
- शौच के बाद।
- खेलने के बाद।
- जानवरों को छूने के बाद।
- शारीरिक अंगों को छूने के बाद।
- स्कूल से आने के बाद।
- सार्वजनिक जगह से लौटने के बाद।

लड़कियों और लड़कों के लिए अलग–अलग शौचालयों के आवश्यक घटक :–

- प्रकाश की उचित व्यवस्था तथा उचित वेंटिलेशन होना चाहिए।
- बच्चों के अनुकूल दरवाजा होना चाहिए तथा उसमें कुण्डी लगी होनी चाहिए।
- शौचालय के अन्दर दिव्यांग बच्चों के लिए एक अलग से शौचालय होना चाहिए तथा शौचालय तक पहुँचने के लिए रैंप बना होना चाहिए।
- लड़कियों के शौचालय में बंद ढक्कन वाला कूड़ेदान होना चाहिए।
- विद्यालय में किसी सुरक्षित स्थान पर पैड बैंक होना चाहिए।
- प्रमुख स्वच्छता संदेशों को दर्शाते हुए ग्राफिक्स और दृश्य होने चाहिए।

आसपास की साफ सफाई

विद्यालय में शौचालय की स्वच्छता :–

- शौचालय विद्यालय परिसर के भीतर स्थित होना चाहिए।
- लड़कियों और लड़कों के लिए अलग–अलग शौचालय होने चाहिए।
- शौचालय की दैनिक सफाई और धुलाई होनी चाहिए।
- सभी शौचालय में पर्याप्त मात्रा में पानी की सुविधा होनी चाहिए।
- हाथ धोने के लिए साबुन की उपलब्धता विद्यालय द्वारा सुनिश्चित की जानी चाहिए।
- सभी शौचालयों में बच्चों की सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए दरवाजे होने चाहिए।
- विद्यालयों में निर्मित शौचालयों को नियमित रूप से साफ–सुथरा रखा जाए।
- विद्यालय के आसपास के क्षेत्रों को शौचमुक्त करने हेतु बच्चों को प्रेरित किया जाए।
- विद्यालय में शौचालय हेतु बच्चों द्वारा इसका नियमित उपयोग एवं रखरखाव सुनिश्चित कराया जाए।

परिसर की स्वच्छता :–

- विद्यालय परिसर को नियमित रूप से स्वच्छ रखना चाहिए और इसका अभ्यास करवाना चाहिए।
- विद्यालय में जल–स्रोत तथा वाशिंग स्टेशन के आस–पास पानी का जमाव नहीं होना चाहिए।
- पानी के समुचित निकास के लिए पक्की नाली तथा उससे जुड़ा सोख्ता होना चाहिए।
- बचे हुए मध्याह्न भोजन को एक गड्ढे में निस्तारित करना चाहिए।
- विद्यालय को नियमित रूप से स्वच्छ रखने के उद्देश्य से डंडे वाला झाड़ू, बाल्टी, साबुन, डस्टबीन एवं सफाई का सामान यथा ब्लीचिंग पाउडर की व्यवस्था की जाए।
- विद्यालय के आलमारी, दरवाजे, खिड़कियाँ, लाइब्रेरी एवं कक्षाओं को नियमित रूप से साफ करना चाहिए।
- विद्यालय में एकत्रित कचरे को गड्ढे में डालकर सुरक्षित निपटान करना चाहिए और बच्चों को इसका नियमित अभ्यास कराना चाहिए।

माह–अगस्त: विषय–सतत खाद्य प्रणाली एवं जैव विविधता

विषय परिचय	विद्यालय स्तर पर सुझाई गई गतिविधियाँ	समुदाय स्तर पर सुझाई गई गतिविधियाँ
समस्या: पेड़ों की कटाई और वन क्षेत्र में कमी से पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है, जिससे जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण बढ़ रहा है। **आवश्यकता:** वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण संतुलन को बनाए रखना और जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करना।	1. स्कूल परिसर में पौधारोपण अभियान। 2. पोषण वाटिका या औषधीय वाटिका बनाना। 3. "एक पेड़, एक छात्र" अभियान (प्रत्येक छात्र को एक पौधा गोद लेना)। 4. जैव विविधता पर आधारित पेंटिंग और निबंध प्रतियोगिता। 5. वृक्षों की देखभाल और उनकी वृद्धि की निगरानी करना। 6. खाने की बर्बादी को कम करना। 7. अच्छे स्वास्थ्य के लिए खाने में मिलेट (जैसे रागी, ज्वार, बाजरा) और अन्य पोषक अनाजों को शामिल करना चाहिए।	1. गाँव के खाली स्थानों पर पौधारोपण करना। 2. पौधारोपण के लिए सामूहिक प्रयास करना और गाँववासियों को जोड़ना। 3. स्थानीय वनस्पति और जैव विविधता को संरक्षित करने के लिए जागरूकता अभियान चलाना।

शौच या मल द्वारा संक्रमण के विभिन्न मार्ग हैं :–

- खुले में शौच करने से।
- मल का पानी में मिलने से।
- गंदे हाथों से।
- मक्खी, मच्छर एवं जानवरों से।
- मलयुक्त पानी के इस्तेमाल से।
- खुला खाना खाने से।

पीएम पोषण योजना

चेतना

25 अगस्त 2025 Monday सोमवार 25-Aug-2025 से 30-Aug-2025 वर्ष 04

पीएम पोषण योजना का मेनू : -

दिनांक	दिन	प्रस्तावित मीनू
25-Aug-2025	सोमवार	चावल + मिश्रित दाल तड़का (हरी सब्जी युक्त)
~~26-Aug-2025~~	~~मंगलवार~~	~~चावल + सोयाबीन आलू की सब्जी~~
27-Aug-2025	बुधवार	चावल लाल चना का छोला (अल्प मात्रा में आलू युक्त)
28-Aug-2025	गुरुवार	चावल मिश्रित दाल तड़का (हरी सब्जी युक्त)
29-Aug-2025	शुक्रवार	चावल लाल चना का छोला (अल्प मात्रा में आलू युक्त) + एक सम्पूर्ण उबला अंडा (जो बच्चा अण्डा नहीं खाना पसंद करते है केवल उनके लिए ही मौसमी फल 100 ग्राम वजन के समतुल्य सेव या केला।
30-Aug-2025	शनिवार	खिचड़ी (हरी सब्जी युक्त) + चोखा

पीएम पोषण योजना :-

बच्चों को अपने जीवन, भोजन, शिक्षा तथा विकास का अधिकार है। इस अधिकार की प्राप्ति बच्चे करें एवं उन्हें इसके उचित अवसर मिलें, यह राज्य का दायित्व है। भारतीय संविधान की धारा 21A के अंतर्गत 6 से 14 आयुवर्ग के सभी बच्चों को नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का मौलिक अधिकार प्रदत्त है। प्रारंभिक शिक्षा के सर्वव्यापीकरण में मदद करने के उद्देश्य से सभी प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में पीएम पोषण योजना उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है। इस योजना का लाभ निम्नवत है :-

- ***बच्चों को पौष्टिक आहार एवं स्वास्थ्य की प्राप्ति।***
- *बच्चों के शैक्षिक स्तर में वृद्धि।*
- ***बच्चों के बीच सामाजिक समता।***
- *बच्चों की सीखने की क्षमता एवं आत्मसम्मान के स्तर को बढ़ाना।*
- ***बच्चों के छीजन में कमी।***
- *नामांकन एवं उपस्थिति में निरंतर बढ़ोतरी।*
- ***बच्चों के ठहराव, अधिगम एवं एकाग्रता सुनिश्चित करने में मदद।***

परिवर्तन मूल्य की नई दर की विवरणी (01-12-2024 से प्रभावित)

कक्षा 01 से 05 के लिए			
सामग्री	वजन प्रति छात्र	दर प्रति किलो	मूल्य प्रति छात्र
दाल	20 Gram	120.00	2.40
सब्जी	50 Gram	28.00	1.40
तेल	5 Gram	160.00	0.80
मसाला / नमक	स्वादुनसार		0.68
जलावन	100 Gram	15.00	1.50
		कुल =	6.78

कक्षा 06 से 08 के लिए			
सामग्री	वजन प्रति छात्र	दर प्रति किलो	मूल्य प्रति छात्र
दाल	30 Gram	120.00	3.60
सब्जी	75 Gram	28.00	2.10
तेल	7.5 Gram	160.00	1.20
मसाला / नमक	स्वादुनसार		1.02
जलावन	150 Gram	15.00	2.25
		कुल =	10.17

बीस सूचक

चेतना

25 अगस्त 2025 Monday सोमवार वर्ष 04

(बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्)

द्वारा

संचालित "समझे - सीखें", गुणवत्ता शिक्षा कार्यक्रम के बीस सूचक -

1. *विद्यालय समय से खुलना एवं बंद होना।*
2. *समय से चेतना सत्र का आयोजन।*
3. *हर एक बच्चा एवं शिक्षक विद्यालय के समय विद्यालय में उपस्थित।*
4. *हर एक बच्चा एवं हर एक शिक्षक सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में तल्लीन।*
5. *शिक्षकों को बच्चे के शैक्षिक स्तर की जानकारी एवं उसका संधारण।*
6. *सतत एवं व्यापक मूल्यांकन।*
7. *कक्षा एक के लिए विशिष्ट रूप से निर्धारित पूर्णकालिक शिक्षक।*
8. *विद्यालय के सभी कक्षाओं में श्यामपट्ट का पूर्ण उपयोग।*
9. *सभी कक्षाओं में दैनिक शिक्षण-तालिका की उपलब्धता तथा उपयोग।*
10. *अंतिम घंटी में खेलकूद, कला तथा सांस्कृतिक गतिविधियां।*
11. *विद्यालयों में उपलब्ध कराए गए कहानी की किताबें, खेल सामग्री आदि का उपयोग।*
12. *मेनू के अनुसार मध्याह्न भोजन का दैनिक वितरण।*
13. *सक्रिय बाल-संसद तथा मीना मंच।*
14. *साफ-सुथरे बच्चे तथा साफ-सुथरा विद्यालय।*
15. *उपलब्ध पेयजल व्यवस्था एवं शौचालयों का उपयोग।*
16. *विद्यालय परिसर में बागवानी।*
17. *विद्यालयों में उपलब्ध कराए गए अनुदानों का उपयोग।*
18. *सभी बच्चों के पास अपनी कक्षा की पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध।*
19. *विद्यालय प्रबंध समिति की नियमित बैठक में शिक्षा की गुणवत्ता पर चर्चा।*
20. *विद्यालय में साप्ताहिक कक्षावार शिक्षक अभिभावक की नियमित बैठक।*

चेतना

टीचर्स ऑफ़ बिहार

समस्तीपुर

पिन - 848207 (बिहार)

Mobile : 9473119007
7250818080

email : chetanastr@gmail.com

Website : www.teachersofbihar.org

Follow Us

@teachersofbihar

@teachersofbihar

@teachersofbihar

@teachersofbihar

@teachersofbihar